राजभाषा कार्यान्वयन समिति
भारती महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

कार्यशाला रिपोर्ट
विषय: "प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग"
तारीख: 29 अप्रैल, 2025
स्थान: कमेटी रूम, भारती कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय)

भारती कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) में दिनांक 29 अप्रैल, 2025 को “प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग” विषय पर एक महत्वपूर्ण हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य शैक्षणिक व प्रशासनिक कार्यों में हिंदी भाषा के प्रभावी प्रयोग को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री जगदीश राम पौड़ी, निदेशक, राजभाषा, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज की प्राचार्या प्रो. सलोनी गुप्ता ने की।

कार्यक्रम की शुरुआत एक सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई, जहाँ प्राचार्या प्रो. सलोनी गुप्ता ने मुख्य अतिथि श्री जगदीश राम पौड़ी का स्वागत एक पौधा भेंट कर किया, जो पर्यावरण संरक्षण और सत्कार भावना का प्रतीक रहा। इसके पश्चात कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों ने अपना संक्षिप्त परिचय दिया, जिसमें उन्होंने अपना नाम, विभाग और कॉलेज में कार्य करने का अनुभव साझा किया। यह परिचय सत्र बेहद रोचक रहा, क्योंकि इसमें कॉलेज के विभिन्न विभागों जैसे हिंदी, पंजाबी, पत्रकारिता, वाणिज्य, पुस्तकालय, लेखा और प्रशासन से जुड़े सभी सदस्यों ने भाग लिया। इस विविधता को देखकर मुख्य अतिथि ने विशेष प्रसन्नता व्यक्त की और इसे कॉलेज की एक सकारात्मक विशेषता बताया।

इसके बाद, कार्यशाला का मुख्य सत्र आरंभ हुआ, जिसमें श्री जगदीश राम पौड़ी ने भारती कॉलेज द्वारा राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कॉलेज परिसर में किए गए छोटे-छोटे बदलाव स्पष्ट रूप से दिखते हैं और ये बदलाव हिंदी भाषा के प्रचार में एक बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि हमें विद्यार्थियों में हिंदी में पुस्तक पढ़ने की संस्कृति को विकसित करना चाहिए, जिससे भाषा के प्रति रुचि और जुड़ाव बढ़े।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा, “यदि हम हिंदी को तकनीकी विषयों में प्रयोग करें तो वह तकनीकी हिंदी बन जाती है, विज्ञान में प्रयोग करें तो वैज्ञानिक हिंदी, साहित्य में तो साहित्यिक हिंदी और यदि वह हमारे मन में हो तो वह मन की हिंदी बन जाती है।” उनका कहना था कि हमें हिंदी के कठिन शब्दों से बचते हुए, सरल और सहज शब्दों का उपयोग करना चाहिए ताकि हर व्यक्ति उसे आसानी से समझ सके।

उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि हिंदी अब वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है। आज कई विदेशी विश्वविद्यालयों और संस्थानों में हिंदी को एक विषय के रूप में पढ़ाया जा रहा है, जो यह दर्शाता है कि हिंदी की पहुँच अब अंतरराष्ट्रीय स्तर तक हो चुकी है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का उदाहरण देते हुए कहा कि वे जहाँ भी जाते हैं, प्रायः अपनी बात हिंदी में रखते हैं, जिससे यह सिद्ध होता है कि हिंदी अब वैश्विक रूप धारण कर चुकी है।

श्री पौड़ी ने राजभाषा से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 343(1) का उल्लेख करते हुए यह बताया कि हिंदी को हमारे देश की राजभाषा के रूप में संवैधानिक मान्यता प्राप्त है। उन्होंने यह प्रश्न भी रखा कि पहला हिंदी दिवस कब मनाया गया था, और फिर उससे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की।

आगे उन्होंने राजभाषा नियमों, हिंदीभाषी, अर्ध-हिंदीभाषी और गैर-हिंदीभाषी राज्यों की पहचान व विशेषताओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने अपने अनुभवों के आधार पर '4D सूत्र' प्रस्तुत किया – **Desire (इच्छा), Direction (दिशा), Dedication (समर्पण) और Discipline (अनुशासन**)। उनका मानना है कि यदि इन चार बातों को अपनाया जाए तो प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी का प्रभावी प्रयोग निश्चित रूप से संभव है, और यह प्रक्रिया हमारे लक्ष्य की ओर एक सुखद और सफल यात्रा बन सकती है।

कार्यशाला का एक विशेष आकर्षण वह संवादात्मक सत्र रहा, जिसमें उपस्थित प्राध्यापकों और कर्मचारियों ने विभिन्न विचार और सुझाव साझा किए। कुछ प्रतिभागियों ने सुझाव दिया कि विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। वहीं, कुछ ने कॉलेज पुस्तकालय में हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में साहित्य उपलब्ध कराने का सुझाव दिया ताकि छात्र-छात्राएं दोनों भाषाओं में अध्ययन कर सकें।

कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्या प्रो. सलोनी गुप्ता ने श्री जगदीश राम पौड़ी का आभार व्यक्त किया और उनके द्वारा साझा किए गए प्रेरणादायक विचारों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस कार्यशाला ने न केवल हिंदी भाषा के प्रशासनिक प्रयोग की दिशा में जागरूकता बढ़ाई, बल्कि यह भी दिखाया कि भाषा के माध्यम से हम सभी एक-दूसरे से और अधिक सशक्त रूप से जुड़ सकते हैं। प्रतिभागियों के लिए यह कार्यशाला एक प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक और विचारोत्तेजक अनुभव रही।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति
भारती महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय
द्वारा आयोजित
हिंदी कार्यशाला
"प्रशासनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग"
मुख्य अतिथि
सानिध्य
श्री जगदीश राम पौरी
निदेशक राजभाषा
शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार
प्रो. सलोनी गुप्ता
प्राचार्या भारती कॉलेज
दिनांक : 29/04/2025
स्थान : संगोष्ठी कक्ष
समय : दोपहर 02 बजे
संयोजिका
प्रो. मंजु शर्मा
सह- संयोजक
डॉ. अभिषेक पुनीत

राजभाषा हिन्दी
GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
Lal Sai Marg, Janakpuri, New Delhi, Delhi 110058, India
Lat 28.621950, Long 77.093624
04/29/2025 14:08 GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

राजभाषा हिन्दी
हिन्द देश के हम निवासी हिन्दी हमारी राजभाषा
शीर्ष पर रहे ध्वज हिन्दी का यही हमारी अभिलाषा
GPS Map Camera
New Delhi,Delhi,India
Lal Sai Marg, Janakpuri, New Delhi, Delhi 110058, India
Lat 28.621971, Long 77.093604
04/29/2025 14:02 GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

राजभाषा हिन्दी
गर्व हमें है हिन्दी पर, शान हमारी हिन्दी
कहते सुनते हिन्दी हम, पहचान हमारी

राजभाषा हिन्दी